राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 70 | जौनपुर शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भारत-ओमान के सैन्य रिश्ते और हुए मजबूत, सेना प्रमुखों की तीसरी बैठक नई दिल्ली में संपन्न

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना और ओमान की रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत हुआ है। नई दिल्ली में 22 से 23 अक्तूबर 2025 तक दोनों देशों के बीच तीसरी आर्मी–टू–आर्मी स्टाफ टॉक्स (एएएसटी) आयोजित हुई। भारतीय सेना के जन सूचना निदेशालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, श्भारतीय सेना ने रॉयल आर्मी ऑफ ओमान के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत किया है। दोनों सेनाओं के बीच तीसरी आर्मी–टू–आर्मी स्टाफ टॉक्स नई दिल्ली में 22–23 अक्तूबर को आयोजित हुई। इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। इसमें शामिल थे। इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार, विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञों के आदान–प्रदान, प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाना और क्षमता विकास और सैन्य शिक्षा में नई साझेदारी के अवसर तलाशना शामिल हैं। यह सभी पहले डिफेंस कोऑपरेशन प्लान 2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएंगी। एडीजी पीआई ने कहा कि यह बैठक सैन्य कूटनीतिट और भारत– ओमान रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाला कदम है। यह सहयोग पिछले वर्ष सितंबर 2024 में आयोजित भारत– ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास अल नजाह की सफलता पर आधारित है, जो ओमान के रबकूट ट्रेनिंग एरिया में हुआ था।

त्रिपुरा में 24 घंटे के बंद से जनजीवन अस्त–व्यस्त, एम्बुलेंस रोकी

त्रिपुरा, (एजेंसी)। त्रिपुरा सिविल सोसाइटी ने गुरुवार (23 अक्टूबर) को 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक रंजीत देबबर्मा ने कहा कि बंद को लागू करने के लिए राज्य भर में 25 स्थानों पर बैरिकेड्स लगाए जाएँगे। अगरतला के प्रमुख स्थानों, जैसे सर्किट हाउस, उत्तरी द्वार और राज्य विधानसभा, पर भी बैरिकेड्स लगाए जाएँगे। देबबर्मा ने कहा, ष्यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है जहाँ सभी वर्ग के लोग राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर बंद में शामिल होंगे। हम अपनी माँगों के समर्थन में इस बंद को शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने के लिए तैयार हैं। टिपरासा सिविल सोसाइटी द्वारा आहूत 24 घंटे के राज्यव्यापी बंद के बाद आज त्रिपुरा में व्यापक तनाव और व्यवधान देखा गया। कथित तौर पर टिपरा मोथा कार्यकर्ताओं द्वारा समर्थित इस आंदोलन के कारण नाकाबंदी, विरोध और प्रशासनिक निष्क्रियता की कई घटनाएँ हुईं, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया और राज्य की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। बरमुरा हिल्स में, तेलियामुरा उप–मंडल अस्पताल की एक एम्बुलेंस को कथित तौर पर बंद समर्थकों ने रोक दिया।

फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट, हर 100 किलोमीटर पर होगी ये खास सुविधा : सीएम योगी

लखनऊ , (संवाददाता)। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए। सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर

हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस–वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए ।

नारायणन ने लोकतांत्रिक मूल्यों की विरासत छोड़ी – द्रौपदी मुर्मू

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान गुरुवार को उन्होंने केरल राजभवन परिसर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा भारत के पहले दलित राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि स्वरूप स्थापित की गई है। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन मौजूद थे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि केआर नारायणन का जीवन साहस, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। उन्होंने शिक्षा की शक्ति के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचकर यह दिखाया कि अवसर और दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है। मुर्मू ने कहा कि राजनीति में आने से पहले नारायणन ने भारतीय

विदेश सेवा में शानदार करियर बनाया और हमेशा भारत के मूल्यों शांति, न्याय और सहयोग को ईमानदारी से निभाया। राष्ट्रपति ने बताया कि नारायणन न सिर्फ भारत के राष्ट्रपति रहे, बल्कि उन्होंने उपराष्ट्रपति के रूप में भी देश की सेवा की। उन्होंने कहा कि नारायणन हमेशा केरल से जुड़े रहे और अपने राज्य की सामाजिक प्रगति, शिक्षा और समानता की भावना से प्रेरणा लेते रहे। उनके लिए शिक्षा सभी का अधिकार थी, न कि कुछ लोगों का विशेषाधिकार। मुर्मू ने इस दौरान यह भी कहा कि नारायणन ने नैतिकता, ईमानदारी, करुणा और लोकतांत्रिक मूल्यों की विरासत छोड़ी है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

पाकिस्तान अब तक उबर नहीं सका, `ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (22 अक्तूबर) को 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के तालमेल का एक असाधारण प्रदर्शन था और पाकिस्तान अभी भी भारतीय सेना द्वारा दिए गए गंभीर आघात से उबर रहा है। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज शुक्ला की पुस्तक 'सिविल–मिलिट्री फ्यूजन एज ए मेट्रिक ऑफ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरा रक्षा मंत्री ने

राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना में किए गए अहम सुधारों पर प्रकाश डाला। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन नें कहा, "ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं की असाधारण एकजुटता और तालमेल का उदाहरण था। इसने यह साबित कर दिया कि भारत किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार है। पाकिस्तान हमारी सेनाओं के हमले से लगे गंभीर झटके से अब तक उबर नहीं पाया है।" कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अभियान भारत की इस प्रतिबद्धता को दोहराता है कि देश उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए "समन्वित, अनुकूलनीय और पूर्व–नियोजित" रणनीतियां अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज के समय में पारंपरिक रक्षा दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है क्योंकि युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि अब एक मिश्रित और विषम रूप ले चुके हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ देश की रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने हेतु भविष्य के लिए तैयार सेना बनाने हेतु कई साहसिक और निर्णायक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा, ऐतिहासिक कदमों में से एक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन था।

आसियान सम्मेलन में वर्चुअली शामिल होंगे पीएम मोदी

कुआलालंपुर , (एजेंसी)। मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बुधवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर नहीं जाएंगे, बल्कि वर्चुअली इसमें शामिल होंगे। मलयेशियाई प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी के एक करीबी सहयोगी से फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा, श्हमने इस महीने के अंत में कुआलालंपुर में होने वाले 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के आयोजन पर चर्चा की। उन्होंने मुझे बताया कि इस समय भारत में चल रहे दीपावली समारोह के कारण प्रधानमंत्री वर्चुअली इसमें शामिल होंगे। मलयेशियाई पीएम ने कहा, श्मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं और उन्हें और

भारत के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं। अनवर इब्राहिम ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों पर भी बात की। अनवर ने कहा, श्कल रात मुझे भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सहयोगी का फोन आया, जिसमें मलयेशिया–भारत द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक रणनीतिक और व्यापक स्तर तक मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। भारत व्यापार और निवेश के क्षेत्र में मलयेशिया का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, साथ ही प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्रों में भी करीबी सहयोगी बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट किया, श्मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान–भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं। गौरतलब है कि 47वें आसियान सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलयेशिया जाएंगे। ट्रंप मलयेशिया के अलावा दक्षिण कोरिया, जापान की भी यात्रा करेंगे। दक्षिण कोरिया में ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होगी। ट्रंप ने बुधवार को ही मलयेशिया जाने की पुष्टि की और साथ ही बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली बैठक को फिलहाल रद्द कर दिया है।

आजाद और गंभीर विद्वानों से सरकार की दुश्मनी, प्रोफेसर ओरसिनी के निर्वासन पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण नई दिल्ली स्थित आईजीआई हवाई अड्डे से निर्वासित की गईं लंदन यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी के मामले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि ओरसिनी को देश से बाहर करने का फैसला आव्रजन संबंधी औपचारिकताओं के चलते नहीं किया गया बल्कि यह आजाद, गंभीर सोच वाले विद्वानों के प्रति मोदी सरकार की दुश्मनी को दर्शाता है। लंदन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज में एमिरेट्स प्रोफेसर और हिंदी की विद्वान फ्रांसेस्का ओरसिनी को सोमवार को हांगकांग से नई दिल्ली आने के तुरंत बाद निर्वासित

कर दिया गया। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी को मार्च 2025 से श्काली सूचीश में डाला गया था। जिसके चलते उन्हें हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया गया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि दक्षिण एशियाई साहित्य की प्रसिद्ध विद्वान को पांच साल का वैध वीजा होने के बावजूद भारत में प्रवेश से रोक दिया गया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा कि शहिंदी और उर्दू साहित्यिक संस्कृतियों पर ओरसिनी के काम ने भारत की सांस्कृतिक विरासत की हमारी सामूहिक समझ को समृद्ध किया है, जिससे भक्त ब्रिगेड को एलर्जी है। रमेश ने आरोप लगाया, उन्हें देश से बाहर करने का फैसला आव्रजन संबंधी औपचारिकता का मामला नहीं है, बल्कि मोदी सरकार की आजाद, गंभीर सोच वाले, पेशेवर विद्वानों के प्रति दुश्मनी की निशानी है। ओरसिनी के निर्वासन पर प्रतिक्रिया देते हुए, इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने ओरसिनी को भारतीय साहित्य की एक महान विद्वान बताया। उन्होंने लिखा कि उनके कामों ने हमारी अपनी सांस्कृतिक विरासत की समझ को समृद्ध रूप से बढ़ाया है। गुहा ने एक्स पर लिखा, शबिना किसी कारण के उन्हें निर्वासित करना एक असुरक्षित, विक्षिप्त और यहां तक कि मूर्ख सरकार की निशानी है। एक अन्य इतिहासकार मुकुल केसवन ने कहा था कि विद्वानों और विद्वत्ता के प्रति एनडीए सरकार की दुश्मनी देखने लायक है।

मायावती छह नवंबर से बिहार में चुनाव प्रचार का करेंगी आगाज

लखनऊ , (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती आगामी छह नवंबर से बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। वह छह नवंबर को भभुवा हवाई अड्डे के मैदान में रामगढ़ और कैमूर सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगी। पार्टी संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में आयोजित रैली में लाखों लोगों के जुटने के बाद बिहार चुनाव में मायावती की रैलियों की डिमांड की जा रही है। सूत्रों का कहना है पार्टी द्वारा बिहार चुनाव के लिए मायावती की करीब दो दर्जन रैलियों को आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद अपनी बिहार यात्रा के जरिये पार्टी की सफलता के लिए जमीन तैयार कर चुके हैं। अब मायावती की रैलियों के आयोजन के बाद बिहार में दलित वोट बैंक को अपने पाले में करने की कवायद की जा रही है। बिहार चुनाव के लिए पार्टी ने

अपने 40 स्टार प्रचारक मैदान में उतारे हैं, जिनमें से मायावती की रैलियों की सबसे ज्यादा डिमांड की जा रही है। इसके अलावा आकाश आनंद और केंद्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम और डॉ. लालजी मेधंकर भी प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं कर रहे हैं। पार्टी ने अब तक अपने 128 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है। बसपा सुप्रीमो ने बीती 16 अक्तूबर को राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की बैठक के बाद राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद से बिहार चुनाव की तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान आकाश ने उन्हें बिहार के हालिया राजनीतिक समीकरणों के साथ बसपा की स्थिति के बारे में रिपोर्ट सौंपी।

उद्धव ठाकरे ने की राज ठाकरे से मुलाकात, इस महीने चचेरे भाइयों की चौथी बैठक

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कभी एक ही दल का हिस्सा रहे भाइयों– उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की करीबी बढ़ रही है। शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) में गठबंधन की अटकलों के बीच बुधवार को ही उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से मुलाकात की। यह इस महीने दोनों नेताओं के बीच चौथी बैठक रही। शिवसेना (यूबीटी) के एक पदाधिकारी ने बताया कि उद्धव ठाकरे 'शिवतीर्थ' पहुंचे थे, जहां उन्होंने राज ठाकरे की मां और अपनी चाची कुंदा ठाकरे को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। जानकारी के मुताबिक, जुलाई से अब तक दोनों भाइयों के बीच यह आठवीं मुलाकात है। दोनों ने पहली बार जुलाई में एक साथ महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी लागू करने के फैसले का विरोध किया था। पिछले हफ्ते भी दोनों नेता और उनके परिवार

शिवाजी पार्क में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान मिले थे। गौरतलब है कि राज ठाकरे ने वर्ष 2005 में शिवसेना से अलग होकर मनसे की स्थापना की थी। उस समय उन्होंने पार्टी छोड़ने के लिए उद्धव ठाकरे की कार्यशैली को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में दोनों दलों को निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, उद्धव और राज ने आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर राजनीतिक तालमेल की संभावनाएं तलाशनी शुरू कीं। महाराष्ट्र में आगामी ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले, जो 31 जनवरी 2026 तक कराए जाने हैं। इसमें मनसे और शिवसेना (यूबीटी) का एक साथ आना अब लगभग तय माना जा रहा है।

सीएम सिद्धारमैया के अमावस्या कहने पर भड़के भाजपा सांसद सूर्या

बंगलूरू, (एजेंसी)। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर पलटवार किया है। दरअसल सीएम सिद्धारमैया ने हाल ही में अपने एक बयान में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर निशाना साधते हुए उन्हें अमावस्या कह दिया था। अब इसे लेकर तेजस्वी ने पलटवार किया है और कहा है कि सीएम शायद उन लोगों को खुश करना चाहते हैं, जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, मुख्यमंत्री मुझ पर निजी हमले कर रहे हैं, इससे उनके पद को शोभा नहीं देता। पूर्णिमा हो या अमावस्या, धूप खिली रहती है। शायद यह उन लोगों के को खुश करने की कोशिश है जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि श्एक भी सड़क गड्ढों से मुक्त नहीं है। शहर में एक किलोमीटर की भी अच्छी सड़क नहीं है और ये सरकार कचरा मुक्त शहर देने में असमर्थ है।

हाल ही में शहर में दुष्कर्म की तीन घटनाएं हुईं। कर्नाटक से 15 अरब डॉलर का निवेश चला गया और राज्य के आईटी मंत्री संघ पर प्रतिबंध लगाने में व्यस्त हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र के बयान पर, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, श्मुख्यमंत्री के बेटे ने संकेत दिया है कि उनके पिता का समय समाप्त हो गया है। कर्नाटक में चुपचाप कुर्सी का खेल चल रहा है। यह सरकार सत्ता में वापस नहीं आएगी। साथ ही, प्रियांक खरगे को राज्य से निवेश खोने के सवालों पर जवाब देना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को अपने एक बयान में कहा, श्हमें केंद्र सरकार से एक रुपया भी नहीं मिलता। मुंबई और दिल्ली के अलावा, हम सबसे ज्यादा टैक्स देते हैंय शहर में रहने वाले लोगों को पता होना चाहिए कि कर्नाटक केंद्र को जो भी रुपया देता है, उसमें से हमें टैक्स के तौर पर सिर्फ 14–15 पैसे ही वापस मिलते हैं। क्या यह काफी है? सीएम ने आरोप लगाया कि अगर राज्य सरकार ज्यादा पैसे मांगती है तो मामले का राजनीतिकरण किया जाता है। जीएसटी दरें घटाने पर तंज कसते हुए सीएम ने कहा कि वे (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगाकर कह रहे हैं कि यह दिवाली का गिफ्ट है। क्या यह इंसाफ है? मुख्यमंत्री ने कहा, लोग बीजेपी को वोट देते हैं।

संपादकीय

जनता के दूरगामी हितों की बलि

तेजस्वी नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हैं। मगर बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। इस होड़ में जनता के भविष्य की बलि चढ़ रही है। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जिन 75 लाख परिवारों के पास मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये पहुंचे हैं, बेशक उनके यहां इस बार त्योहारों की रंगत खासी बढ़ गई होगी। अगली किस्तों में लाखों अन्य महिलाओं के खातों में इतनी ही रकम जाएगी। राज्य सरकार ने इस योजना पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने का इरादा जताया है। साथ ही नीतीश कुमार सरकार ने लगभग 15 ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ सालाना बजट पर पड़ेगा। बिहार का पिछला बजट 3.15 लाख करोड़ रुपये का था। मुख्यमंत्री की कुल हालिया घोषणाओं से उसके लगभग 15 प्रतिशत बराबर की रकम खर्च होगी। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मुताबिक चुनाव से पहले केंद्र और राज्य सरकारों ने राज्य के लिए जो योजनाएं घोषित की हैं, वे सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की हैं। यादव का सवाल वाजिब है कि आखिर पैसा कहां से आएगा? हाल में सीएजी ने राज्यों पर मौजूद कर्ज के बारे में रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक कोरोना काल के बाद से बिहार पर कर्ज दोगुना हो गया है। यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 39 फीसदी तक पहुंच चुका है। फिलहाल जो तोहफे बांटे जा रहे हैं, चूंकि उनके बारे में यह नहीं बताया गया है कि अतिरिक्त राजस्व कहां से जुटाया जाएगा, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा कर्ज लेकर होगा। याद रखना चाहिए कि ऋण के साथ ब्याज और मूल धन दोनों चुकाने की सालाना चुनौती बढ़ती जाती है। नतीजतन, पूंजीगत एवं बुनियाद मजबूत करने वाली कल्याणकारी योजनाओं में निवेश की क्षमता सिकुड़ती जाती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीति में आज इसकी चिंता किसी को नहीं है। तेजस्वी भले नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हों, मगर जब बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोई कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। मतदाताओं को जश्न के फौरी मौके देकर नेता अपने सियासी भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। लेकिन इस होड़ में जनता के दूरगामी हितों की बलि भी चढ़ रही है।

भारत में गरीबों का गुस्सा

हरिशंकर व्यास

हिंदू धर्म में लक्ष्मीपुत्रों के खिलाफ क्रांति संभव ही नहीं! भारत असमानता का अब वैश्विक उपमहाद्वीप है। 140 करोड़ लोगों की आबादी है। पर इनकी कुल संपत्ति का 60 प्रतिशत सिर्फ एक प्रतिशत परिवारों के पास है! हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट मानें तो भारत में 1,687 व्यक्तियों की संपत्ति हजार–हजार करोड़ रुपए से अधिक है, और 358 अरबपतियों की औसत संपत्ति 8,500 करोड़ रू से ऊपर। भारत जैसी गरीब–अमीर की असमानता दुनिया में और कहीं नहीं है। ये आंकड़े किसी भी देश को बेचैन कर देंगे मगर भारत में लोग ऐसी असमानता का अनुभव करते हुए भी नहीं सोचते। हिंदू ले दे कर भाग्य का हवाला देंगे। तभी भारत के खरबपति–अरबपति हमेशा निश्चिंत रहे हैं! उन्हें कभी डर नहीं लगता, चिंता नहीं होती क्योंकि असमानता हिंदू समाज का नैतिक संकट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वभाव और धर्म की व्यवस्था है। इसलिए मनु जोसेफ की किताब ष्क्यों गरीब हमें नहीं मारते का विषय अच्छा और विचारणीय है। इस पर कल लंदन की पत्रिका श्द इकोनॉमिस्ट्य में समीक्षा पढ़ने को मिली। और अपने को फिर जाहिर हुआ कि दुनिया भारत के डीएनए, सामाजिक–सांस्कृतिक–धार्मिक मनोभावों का लेकर कितनी बेखबर व अनजान है। पर पहले ष्क्यों गरीब हमें नहीं मारतेष की थीसिस पर गौर करें। पुस्तक में अमीरों की इस सोच का हवाला है कि भारत में नौकर, ड्राइवर, और कामगार पहले जैसे आज्ञाकारी नहीं रहे। मगर यह डर, चिंता नहीं, बल्कि महज एक शिकायत है। और मेरा मानना है यह वह शिकायत है जो अमीर में ही नहीं, बल्कि भारत के मध्य वर्ग में भी है। आखिर भारत में अब संजीदगी, ईमानदारी से काम कितने लोग करना चाहते हैं? जो सबसे गरीब हैं, कामगार, सेवा प्रदाता है उनकी उम्मीदें आसमान छूती हैं पर वे मेहनत से तौबा करते हैं। उनकी सोच, मकसद और जुगाड श्रम, मेहनतकश ईमानदारी से नहीं, बल्कि माईबाप सरकार से नौकरी, राशन और पैसा लेने का होता है। लोग बेगारी और बेरोजगारी या छोटी–छोटी नौकरियों में भले घिसते रहें लेकिन जो काम मिलता है उसे कामचोरी से जैसे–तैसे निपटाया जाता है। यह स्वतंत्र भारत की माईबाप सरकार के मंत्रों का कुल लब्बोलुआब है। श्द इकोनॉमिस्ट्य की दृष्टि में पुस्तक अमीरों की उस मानसिकता का खुलासा करती है जो यह मानती है कि समाज में शांति इसलिए है क्योंकि गरीबों ने अपनी हैसियत स्वीकार कर ली है। यानी असमानता अब नैतिक नहीं, स्वाभाविक लगने लगी है। अमीरों को सिर्फ इतना भय है कि जिन लोगों ने अब तक उन पर भरोसा किया, वे अब भरोसा खो रहे हैं। मनु जोसेफ का तर्क है कि भारत में गरीबों का गुस्सा कभी सामाजिक हिंसा में नहीं बदलता क्योंकि समाज ने उन्हें नियंत्रण में रखने के कई ष्सुरक्षित वाल्वष बना दिए हैं। जैसे पुलिस की सख्ती, धार्मिक सहिष्णुता, शिक्षित होने की आकांक्षा, और यह भ्रम कि अंग्रेजी या डिग्री से एक दिन सभी अमीर बन जाएंगें। मतलब साहेब बन जाएंगे। मेरी राय में यह तर्क यथार्थ के करीब है, पर अधूरा। इसलिए क्योंकि श्द इकोनॉमिस्ट्य की दलील अनुसार यह स्थायित्व स्थायी नहीं है। इतिहास बताता है कि जब उम्मीद और वास्तविकता के बीच की खाई बहुत चौड़ी हो जाती है, तो समाज की नींव हिल जाती है। सो, भारत का असली खतरा (याकि क्रांति) अब गरीबों से नहीं, बल्कि निराश मध्य वर्ग से है। उस मध्यम वर्ग से जो शिक्षित है, सपने रखता है, पर अवसर खलास है। यह वर्ग नक्सल भले नहीं बने लेकिन लोकतंत्र पर से भरोसा खो देगा और जब भरोसा टूटता है, तो समाज की नैतिक एकता बिखर जाती है। मतलब यह कि मनु जोसेफ ने बीमारी को पहचाना। पर उन्होंने असमानता और अमीरों की आत्मसंतुष्टि पर भविष्य का खतरा गलत जगह देखा। अगली बेचौनी नीचे (निर्धन) से नहीं, बीच (मध्य वर्ग) से उठेगी। तो सवाल है क्या मध्य वर्ग का नौजवान विद्रोह करेगा? क्या भारत में आर्थिक असमानता पर कोई सामाजिक क्रांति संभव है? मेरा जवाब है, कतई नहीं। भारत क्रांतिप्रूफ देश है। वजह सांस्कृतिक और धर्म है। भारत में धन मतलब लक्ष्मी है। वह पूजनीय है। और जो लक्ष्मी पाता है वह लक्ष्मीपुत्र, पूर्वजन्म की पुण्यताओं, कर्मों से धनपति बना होता है। इसलिए वह भी पूजनीय है। अडानी, अंबानी या 1,687 लोग भले क्रोनी पूंजीवाद, सरकार की मेहरबानियों याकि सरकारी उल्लुओं की सवारी, मनमानी मुनाफे–लूट से अरबपति बने हों मगर यह सब होना लक्ष्मीजी की कृपा से है तो उनका भाग्य है। जो गरीब है वह गरीबी–संर्घष–फाकापरस्ती का भाग्य लिए हुए है और जो सेठ है वे सेठ होने की किस्मत पाए हुए है। कैसे पैठी? ब्राह्मण शिरोमणि मनु महाराज की कृपा से। कोई न माने मेरी इस थीसिस को मगर पूरे इतिहास का यह स्थायी सत्य है कि श्मनुस्मृतिय ने वैश्य जाति का खूंटा कुबेर का खजाना बनाया। उस नाते मनु को सर्वाधिक वैश्यों को ही पूजना चाहिए। और ईसा पूर्व काल से ले कर इक्कीसवीं सदी के ढाई हजार वर्षों का सत्य है जो हर काल में बनिए, वैश्य ही हिंदुओं के अमीर हुए। हर दरबार के असल दरबारी सर्वाधिक सुरक्षित, सर्वाधिक मनपसंद खजांची रहे। मनुस्मृतिय के रचियता ब्राह्मण ने अपने हाथ में कलम, पोथी, दीक्षा–भिक्षा रखी। वही ठाकुर (क्षत्रिय) को तलवार भांजने का राजधर्म दिया।

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए

नीरज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, "मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो।" वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।'' गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई हैय अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं। देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैंकृ पहला, यह कि वह "आश्वासन" का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, "काफी कम" तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों। दूसरी ओर, भारत ने बार–बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति "राष्ट्रीय हित" से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता। वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में "सुपर डीलमेकर" की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को "एक बड़ी डील" के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर "अमेरिका फर्स्ट" नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम हैंकृ क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है। उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैंकृ क्वॉड, इंडो–पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार–बार ऐसे "फर्जी या अधूरे" दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय

अब तक ट्रंप के बयानों पर "नो कमेंट" नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे–धीरे "स्वीकार्य धारणा" बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते। अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को "घरेलू प्रचार" का हथियार बना देता है? देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकताकृ लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को "सहभागी" की तरह प्रस्तुत करे, "उपसंहारक" की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को "औपचारिक संवाद" के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़–मरोड़ सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म–केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को "शो" में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के "दीपावली डिप्लोमेसी" में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके "फर्जी तेल–सत्य" के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी "ट्रंप टेलीफोन कॉल" से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

उर्दू मीडिया के साथ भेदभाव में घिरी भाजपा

सर्वमित्रा सुरजन

इस समारोह में दिल्ली कैबिनेट के सारे मंत्री उपस्थित थे। लेकिन द वायर की रिपोर्ट के मुताबिक पिछली सरकारों की परंपरा को तोड़ते हुए उर्दू मीडिया से जुड़े किसी पत्रकार और उन उर्दू पत्रकारों को भी इस मिलन समारोह में नहीं बुलाया, जो लंबे समय से दिल्ली सरकार और

भाजपा को कवर करते आ रहे हैं। पिछले सप्ताह इसी जगह महिला पत्रकारों के साथ हुए भेदभाव पर लिखने की जरूरत पड़ी थी और अब एक बार फिर ऐसा ही दूसरा विषय सामने आ खड़ा हुआ है। द वायर में फैध्याज अहमद वजीह की रिपोर्ट है कि दिल्ली की भाजपा सरकार किस तरह उर्दू पत्रकारों के साथ भेदभाव भरा सौतेला व्यवहार कर रही है। खास बात ये है कि भाजपा ने दीपावली जैसे बड़े त्योहार के अवसर पर अपनी संकुचित मानसिकता को जाहिर किया है। हिंदुस्तान में होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस केवल धर्मविशेष के त्योहार नहीं हैं, इनका अपना सामाजिक, सांस्कृतिक महत्व है। एक–दूसरे के घर जाकर त्योहार की खुशी मनाई जाती है। मिठाइयों, तोहफों से जीवन में नए उत्साह भरा जाता है। बाजारों में रौनक छा जाती है, लोग दिन भर के काम और थकान के बावजूद बाहर निकलते हैं और इस रौनक का आनंद लेते हैं। यह सब हिंदुस्तान में ही होता है, क्योंकि यहां का संविधान सारे धर्मों को एक बराबर मानता है। राजनैतिक दल भी इन त्योहारों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व समझते हैं, इसलिए वे भी अपने स्तर पर सार्वजनिक मिलन समारोह आयोजित करते हैं। जो दल सत्ता में होता है, वह सरकार के जरिए विभिन्न तबकों के लोगों तक पहुंचता है, खासकर पत्रकारों से विचारों के आदान–प्रदान का यह अच्छा मौका होता है, इसलिए तकरीबन हर राज्य में सरकारें दीपावली मिलन, होली मिलन या नए साल पर भोज जैसा आयोजन करती हैं।दिल्ली में भी अरसे से दीपावली मिलन पत्रकारों के लिए आयोजित किया जाता रहा है। इस बार 13 अक्टूबर को दिल्ली सरकार के सूचना एवं प्रचार निदेशालय ने अशोका होटल में श्दीपावली मंगल मिलनश कार्यक्रम रखा, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ विशेष संवाद और बातचीत के लिए आमंत्रित किया था। इस समारोह में दिल्ली कैबिनेट के सारे मंत्री उपस्थित थे। लेकिन द वायर की रिपोर्ट के मुताबिक पिछली सरकारों की परंपरा को तोड़ते हुए उर्दू मीडिया से जुड़े किसी पत्रकार और उन उर्दू पत्रकारों को भी इस मिलन समारोह में नहीं बुलाया, जो लंबे समय से दिल्ली सरकार और भाजपा को कवर करते आ रहे हैं। शायद ये पहला मौका था जब दिल्ली सरकार ने उर्दू मीडिया से दूरी बनाने की कोशिश की। पत्रकारों के बीच इसे अल्पसंख्यक विरोधी कध्दम बताया जा रहा है, और इसे उर्दू और उर्दू वालों को छोटा दिखाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि समारोह में शिरकत के लिए निमंत्रण डीआईपी निदेशक सुशील सिंह द्वारा वॉट्सऐप पर भेजा गया था। लेकिन क्या यह चुनिंदा पत्रकारों को ही भेजा गया या इसमें उर्दू पत्रकारों को जानबूझ कर दूर रखा गया, यह सवाल कायम है। इस आयोजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ तस्वीरों के साथ पोस्ट लिखी है कि आज दिवाली मंगल मिलन समारोह में हमारे मीडिया बंधुओं से आत्मीय संवाद का अवसर मिला। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्रीगण श्री प्रवेश साहिब सिंह जी, श्री आशीष सूद जी, श्री मनजिंदर सिंह सिरसा जी, श्री रविन्द्र इन्द्राज जी एवं श्री कपिल मिश्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मीडिया के सभी साथियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। जो तस्वीरें शेयर की गई हैं उनमें इलेक्ट्रानिक मीडिया के भाजपा की तरफ झुकाव वाले पत्रकार नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि रेखा गुप्ता ने हरेक मेज पर जाकर पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के सामने अपनी चिंताएं भी रखीं और वरिष्ठ पत्रकारों ने दिल्ली में डीआईपी श्मान्यता समितिश के नवीनीकरण नहीं होने का मामला उठाया। लेकिन इन पत्रकारों ने इस बात को क्यों नहीं उठाया कि उर्दू मीडिया के उनके साथी इस आयोजन में नजर क्यों नहीं आ रहे। खुद रेखा गुप्ता को यह बात खटकी क्यों नहीं कि उनके किसी आयोजन में उर्दू पत्रकारों को दूर क्यों रखा गया है। याद कीजिए यही सवाल तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की प्रेस कांफ्रेंस के वक्त भी उठे थे कि तालिबान ने तो महिला और पुरुष में भेदभाव को जाहिर किया, लेकिन उनकी प्रेस कांफ्रेंस में आमंत्रित पुरुष पत्रकारों ने अपनी महिला साथियों के लिए आवाज क्यों नहीं उठाई। यही सवाल अब हिंदी, अंग्रेजी के पत्रकारों के लिए है कि उर्दू के उनके साथी पत्रकारों के साथ अगर भेदभाव हो रहा है, तो यह बात उन्हें खटक क्यों नहीं रही। क्या सरकार की तरफ से मिली दावत उनके नैतिक मूल्यों पर भारी पड़ चुकी है।अगर भेदभाव को इतनी आसानी से समाज में जगह बनाने दी जा रही है, तो यह देश के लिए काफी खतरनाक बात है। वहीं पत्रकारों के लिए यह बड़ी शर्म की बात है कि वे जरा से फायदे के लिए अपने मूल्यों को गिरवी रख चुके हैं। वैसे बताया जा रहा है कि सरकार के इस कध्दम से नाराज कई पत्रकारों ने दिल्ली सरकार के पीआर डिपार्टमेंट में इस मामले को मजबूती उठाने की बात कही है। दावा किया जा रहा है कि भाषा के स्तर पर ऐसे भेदभाव का यह पहला मामला है। लेकिन इस शिकायत का बेहतर असर तब होता, जब पत्रकार भेदभाव को अस्वीकार करते हुए इस आयोजन का बहिष्कार कर देते। अगर दिल्ली के पत्रकार ऐसा करने की हिम्मत दिखाते तो इसका बड़ा संदेश देश और दुनिया में जाता। मगर एक बार फिर यहां भाजपा की कुटिल नीति जीत गई। इस मामले में कांग्रेस की प्रतिक्रिया अभी देखने नहीं मिली है। लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने भाजपा पर सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा है कि, श्उर्दू पत्रकारों के साथ सौतेला बर्ताव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।श उन्होंने ये भी इल्जाम लगाया कि इससे पहले उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उर्दू के खिलाफ बयानबाजी की थी, अब ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उनसे भी आगे निकलना चाहती हैं।श वहीं उर्दू अखबार श्हमारा समाजश के संपादक सादिक शेरवानी ने द वायर को बताया, श्दिल्ली की पिछली भाजपा सरकार के समय भी उर्दू मीडिया के साथ इस तरह का सुलूक नहीं किया गया था, बल्कि मदन लाल खुराना और सुषमा स्वराज उर्दू–प्रेमी समझे जाते थे। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं और ऐसा माना जाता है कि भाजपा हर वो काम करती है, जो उसके तुष्टीकरण की राजनीति को मजबूत कर सकती है।श उन्होंने कहा, उर्दू श्सिर्फ मुसलमानों की जबान नहीं है, लेकिन भाजपा ऐसा संदेश देना चाहती है कि ये मुसलमानों की जबान है।श सादिक यह भी कहते हैं कि अगर ये श्चूकश है तो कैसे मुमकिन है कि उर्दू मीडिया से जुड़े किसी भी पत्रकार को निमंत्रण नहीं मिला। अगर ये चूक होती तो किसी एक मीडिया संस्थान के पत्रकार तो इस समारोह में होते। श्हमारा समाजश से बात करते हुए वरिष्ठ पत्रकार संजय गोयल ने पूछा कि आखिर उर्दू भाषा से जुड़े पत्रकारों की अनदेखी क्यों की गई, जबकि उर्दू दिल्ली की दूसरी आधिकारिक भाषा है।श श्री गोयल ने भी भाजपा की पिछली सरकारों को याद करते हुए कहा कि, श्1993 से 1998 तक दिल्ली में पहली बार भाजपा सरकार बनी थी, जिसमें मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और कुछ महीनों के लिए सुषमा स्वराज भी मुख्यमंत्री थीं, तब न सिर्फ सरकारी स्तर पर, बल्कि पार्टी स्तर पर भी उर्दू के साथ कभी कोई भेदभाव नहीं हुआ। हिंदुस्तान एक्सप्रेस से जुड़े पत्रकार फरहान यह्या ने द वायर को बताया, श्मैं 2007 से एक्रीडेटेड पत्रकार हूं, और इससे पहले जब शीला दीक्षित और अरविंद केजरीवाल की सरकारें थीं।

अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व न मिलना चिंता का सबब

एल.एस. हरदेनिया

समस्या यह है कि न सिर्फ मुसलमानों को बल्कि एक दूसरी अल्पसंख्यक कौम ईसाईयों को भी प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। पहले मध्यप्रदेश की विधानसभा में ईसाई सदस्य रहते थे। वे मंत्री भी बने और वे भी ऐसे स्थानों से चुने जाते थे जहां ईसाईयों की संख्या लगभग नगण्य होती थी। देश की एक बड़ी कौम को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना हमारी राष्ट्रीय असफलता है। हमें इस बारे में सोचना पड़ेगा। हमारे देश में ऐसी परिस्थितियां पैदा हो रही हैं कि अल्पसंख्यक तबकों को न तो संसद में और न ही राज्य विधानसभाओं में उनकी आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व मिल रहा है। इस समय बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए जो टिकिट बांटे जा रहे हैं उनमें लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी, कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने बहुत कम मुसलमानों को टिकट दिए हैं। बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की खासी आबादी है। इसे मद्देनजर राजनीतिक पार्टियों को वहां मुसलमानों को भी समानुपातिक सीट देनी चाहिए। एक जमाने में काफी संख्या में मुसलमान विधायक और सांसद बनते थे। मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि मध्यप्रदेश विधानसभा में 10–12 मुसलमान विधायक रहा करते थे। मंत्रीपरिषद में भी मुसलमान रहते थे, वे स्पीकर भी बनते थे। गुलशेर अहमद मध्यप्रदेश की विधानसभा के सदस्य भी रहे और उसके स्पीकर भी। उन्होंने दोनों जिम्मेदारियां बहुत खूबसूरती से निभाईं। मध्यप्रदेश की परंपरा इतनी गौरवशाली थी कि कई मुस्लिम विधायक और सांसद ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते थे जहां अल्पसंख्यकों की आबादी न के बराबर थी। न सिर्फ कांग्रेस उन्हें टिकट आवंटित करती थी बल्कि वहां के वोटर इतने समझदार थे कि मुसलमानों की आबादी कम होने के बाद भी वे मुसलमान उम्मीदवार को चुनते थे। ऐसे कई उदाहरण हैं। मेरे मित्र अजीज कुरैशी सीहोर से विधायक चुने गए थे, जहां मुसलमानों की आबादी बहुत कम थी। वे सांसद भी चुने गए। वे मध्यप्रदेश की मंत्री परिषद के कई बार सदस्य रहे। कुरैशी कई राज्यों के राज्यपाल भी रहे। अब यह गौरवशाली परंपरा समाप्त हो रही है। इस समय मध्यप्रदेश की विधानसभा में सिर्फ दो विधायक मुसलमान हैं। दोनों भोपाल से हैं। इसके पिछली विधानसभा में सिर्फ एक ही मुसलमान थे, वह थे भोपाल के पुराने शहर से चुने गए आरिफ अकील। अभी एक केन्द्रीय मंत्री ने साफ कहा है कि हमें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए और मुसलमानों को उन्होंने नमक हराम बताया। इससे खराब गाली और क्या हो सकती है? यदि यही स्थिति बनी रही तो एक दिन ऐसा भी आएगा जब पूरे देश में एक भी सांसद या विधायक मुसलमान नहीं होगा। ऐसी स्थिति आने के पूर्व हमारे देश के नेतृत्व को कुछ सोचना चाहिए।अल्पसंख्यक के नाम पर हमारे देश में केवल जैन भाईयों और सिक्ख भाईयों को प्रतिनिधित्व मिलता है, वो भी इक्का–दुक्का। जैनियों की जितनी संख्या है उसकी तुलना में उन्हें काफी ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलता है। उससे हमें कोई शिकायत नहीं है। जैन एक संपन्न कौम है। जैनियों के अनुभव और उनकी बुद्धिमत्ता उल्लेखनीय है और देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। मगर समस्या यह है कि न सिर्फ मुसलमानों को बल्कि एक दूसरी अल्पसंख्यक कौम ईसाईयों को भी प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। पहले मध्यप्रदेश की विधानसभा में ईसाई सदस्य रहते थे। वे मंत्री भी बने और वे भी ऐसे स्थानों से चुने जाते थे जहां ईसाईयों की संख्या लगभग नगण्य होती थी। देश की एक बड़ी कौम को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना हमारी राष्ट्रीय असफलता है। हमें इस बारे में सोचना पड़ेगा।कई देशों में अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। लंदन का मेयर मुसलमान है। केनडा की संसद में कई सिक्ख भाई हैं। अमेरिका में कई भारतवासी बसते हैं, जो सीनेट एवं हाउस ऑफ रिप्रिजेन्टेटिव्स के सदस्य हैं। यहां तक कि इन देशों में भारतीय हिन्दू गवर्नर भी हैं, जज भी हैं। यहां भारत में न सिर्फ चुने हुए प्रतिनिधियों में बल्कि देश की अनेक संवैधानिक संस्थाओं में भी अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व कम होता जा रहा है। न्यायपालिका, विशेषकर उच्च न्यायालयों, में भी ऐसी ही स्थिति बनती जा रही है। जो भी हो, राजनीति में इसका उपाय क्या है? जब मतदाता उन्हें नहीं चुनेंगे तो फिर उनका प्रतिनिधित्व कैसे होगा। मैं पाकिस्तान गया था। वहां की संसद की डेपुटी स्पीकर से मेरी मुलाकात हुई। उनसे मैंने पूछा कि आपके देश में बहुत सारे हिन्दू भाई रह रहे हैं जो आपके देश के विकास में योगदान दे रहे हैं और यदि वे चुनकर नहीं आते हैं आप क्या करती हैं? उन्होंने कहा कि यदि एक भी हिन्दू चुनकर नहीं आता तो हम उनको मनोनीत करते हैं। दुनिया में इस तरह के और भी देश होंगे जहां अल्पसंख्यक यदि चुनाव से प्रतिनिधित्व हासिल नहीं कर पाते तो उन्हें मनोनीत किये जाने का प्रावधान होगा। इतनी बड़ी आबादी–चाहे वह मुसलमानों की हो या ईसाईयों की, उनका देश की प्रगति में योगदान न हो यह कल्पना के बाहर की चीज है। ईसाईयों ने हमारे देश के विकास में बहुत मदद की है। सारे देश में ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित स्कूल और अस्पताल हैं। वे परोपकार के बहुत सारे काम करते हैं। उनका एक भी प्रतिनिधि मध्यप्रदेश विधानसभा में न होना क्या चिंता की बात नहीं है? मेरी समझ में इस चिंतनीय स्थिति को देखते हुए हमारी संसद और विधानसभाओं को सोचना चाहिए कि अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व कैसे दिलाया जाए। क्या मनोनयन के जरिए? या आनुपातिक प्रतिनिधित्व के जरिए? या किसी और तरीके से? बिहार, बंगाल, उत्तरप्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की संख्या काफी है। इन राज्यों में तो इस तरह का प्रबंध होना ही चाहिए। बिहार के चुनाव के बाद क्या स्थिति उभरकर आती है यह देखा जाना बाकी है। भले ही बड़े राजनैतिक दलों ने उन्हें पर्याप्त संख्या में टिकट न दिया हो, मगर यह देखा जाना बाकी है कि क्या वे किसी छोटी–मोटी पार्टी से या निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनकर आते हैं या नहीं। हमें इसका इंतजार करना होगा। बिहार विधानसभा के नतीजों के दिन यह साफ हो जाएगा कि बिहार, जहां बहुत गौरवपूर्ण परंपराएं रही हैं, वहां के मतदाताओं ने इस चुनाव में क्या किया।

युवक की मुंह दबाकर हत्या, हंगामा और प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। कैंट के कटेहरी बाग स्थित विद्यानगर कॉलोनी निवासी लुलु मॉल में सफाई कर्मचारी अरुण कुमार (48) की सोमवार देर रात शराब पार्टी के दौरान मुंह दबाकर हत्या कर दी गई। उनका शव मंगलवार सुबह सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में कार्तिक गेस्ट हाउस के कमरे में पड़ा मिला। परिजनों ने अरुण के मित्र और दंपती पर हत्या का आरोप लगाते हुए शव रखकर प्रदर्शन भी किया। पुलिस ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मुंह दबाने से मौत होने की पुष्टि हुई है। अरुण के बेटे ध्रुव ने बताया कि सोमवार को पिता को पड़ोस में रहने वाले उनके दोस्त विकास अपने साथ ले गए थे। रातभर वह घर नहीं लौटे। मंगलवार सुबह मोबाइल फोन की लोकेशन की मदद से परिजन सुशांत गोल्फ मलाक रोड स्थित कार्तिक गेस्ट हाउस पहुंचे। बाहर अरुण की बाइक खड़ी थी। परिजन जब गेस्ट हाउस की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में पहुंचे तो अरुण अचेत हालत में पड़े मिले। पास में ही एक युवक भी सो रहा था। परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। वे लोग अरुण को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अरुण के परिवार में पत्नी शिल्पा, बेटा ध्रुव व आर्यन हैं। छानबीन के दौरान परिजनों का पता चला कि जिस कमरे में अरुण का शव मिला था, वह कमरा उनके सुपरवाइजर अमन का है। अमन पत्नी विमला के साथ रहता है। लोगों ने बताया कि सोमवार रात सभी ने शराब पार्टी की थी। परिजनों ने विकास, अमन व उसकी पत्नी विमला पर हत्या का आरोप लगाते हुए अरुण के शव को विजयनगर चौराहे पर रखकर प्रदर्शन किया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मुंह दबाने से अरुण की मौत की पुष्टि हुई है। शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर एक्सपर्ट की राय ली जा रही है। परिजनों ने जिन तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है, उन्हें हिरासत लेकर पूछताछ की जा रही है।

हाईकोर्ट से ईडी जांच मामले में सहारा ग्रुप को लगा कानूनी झटका, खारिज की गई याचिका

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच मामले में सहारा ग्रुप को हाईकोर्ट से कानूनी झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सहारा की चार सहकारी समितियों द्वारा दाखिल याचिका में दखल देने से इन्कार कर इसे खारिज कर दिया है। याचिका में ईडी द्वारा धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत सहारा के खिलाफ चल रही जांच की कार्यवाही को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत ईडी की जांच वैध है और इसकी कार्यवाही की जा सकती है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह फैसला हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लि., सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लि., स्टार्स मल्टीपरपज कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. एवं सहारा यूनिवर्सल मल्टीपरपज सोसाइटी लि. द्वारा दाखिल याचिकाओं पर दिया। सहारा की इन सहकारी समितियों ने जुलाई 2024 में ईडी द्वारा की गई तलाशी व जप्तीकरण की कार्यवाहियों को चुनौती

दी थी। कोर्ट ने ईडी की इस आपत्ति को खारिज कर दिया कि मामला लखनऊ पीठ में होने का क्षेत्राधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि समितियों का मुख्यालय लखनऊ में है, वहीं महत्वपूर्ण रिकार्ड जब्त किए गए। ऐसे में यहां अहम आंशिक वादकारण होने की वजह से लखनऊ पीठ को केस की सुनवाई करने का प्राधिकार है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि कानूनी अंतर्निहित शक्तियों के तहत, याचियों के खिलाफ पीएमएलए के तहत कार्यवाहियों में दखल देने का आधार नहीं है। इसके मद्देनजर, याचिका खारिज की जाती है।

संक्षिप्त खबरें

रामलला के दर्शन और आरती के समय में आज से बदलाव

लखनऊ, (संवाददाता)। शीत ऋतु के आगमन के साथ ही रामलला के दर्शन के समय में बदलाव कर दिया गया है। बृहस्पतिवार से श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह सात बजे से रामलला के दर्शन होंगे। मंदिर में दर्शन रात नौ बजे तक जारी रहेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे। ट्रस्ट की ओर से रामलला के दर्शन की नई समय सारिणी जारी की गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि अब शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में कुछ बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह चार बजे होती थी, अब वह 4:30 बजे होगी। साथ ही रामलला की श्रृंगार आरती सुबह छह बजे के बजाय 6:30 बजे होगी। दर्शन अब तक सुबह 6:30 बजे से शुरू होता है, वह अब सुबह सात बजे से शुरू होगा।

आवास विकास ने बेचीं 2500 करोड़ की संपत्तियां, निवेशकों के अनुकूल माहौल बनाने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। आवास विकास परिषद ने ई नीलामी के जरिये 850 करोड़ रुपये की और संपत्तियां बेची हैं। करीब सात महीने में परिषद ने नीलामी से प्रदेशभर में 2500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची हैं। 18 अक्तूबर को हुई ई नीलामी में लखनऊ, मेरठ, आगरा, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, बाराबंकी, अयोध्या, सहारपुर, गाजियाबाद में आवासीय और अनावासीय संपत्तियां शामिल थीं। आवास आयुक्त बलकार सिंह ने कहा कि यूपी को 2029–30 तक वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के लक्ष्य के दृष्टिगत आवास एवं विकास परिषद अपनी योजनाओं में आधारभूत संरचनाओं के विकास, निवेशकों के अनुकूल माहौल और व्यापार की सुगमता पर विशेष जोर दे रहा है। इससे निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए उत्सुक हैं। लखनऊ को आईटी सिटी हब बनाने के लिए वृंदावन योजना सेक्टर–15 में 10,861 वर्गमीटर से 84940.64 वर्गमीटर के भूखंड बनाए गए हैं।

अस्पताल के कमरे में मिला संचालक का शव, दरवाजा था बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरानगर सेक्टर–15 स्थित सनराइज अस्पताल के सह संचालक श्रावस्ती स्थित इकौना निवासी आयुष जायसवाल (30) का शव मंगलवार शाम अस्पताल के कमरे में बेड पर पड़ा मिला। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने कोई आरोप भी नहीं लगाया है। वहीं पुलिस उनकी मौत को स्वभाविक मान रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हार्ट और विसरा डॉक्टरों ने जांच के लिए सुरक्षित रखा है। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि आयुष जायसवाल चिनहट के कामता इलाके में पत्नी आरती, दो बेटे व एक बेटी के साथ रहते थे। वह सनराइज अस्पताल में मैनेजमेंट का काम देखते थे। उनका अस्पताल में शेयर भी था। उनके भाई नीरज ने बताया कि आयुष दिवाली के मौके पर परिवार के साथ गांव आए थे। सोमवार रात में जानकारी हुई कि एक पेशेंट की हालत खराब है।

लखनऊ रेजीडेंसी में शुरू हुआ भव्य लाइट एंड साउंड शो, दर्शाए जा रहे हैं वीरता और विरासत के गौरवशाली प्रसंग

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राजधानी लखनऊ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लखनऊ रेजीडेंसी

परिसर में भव्य लाइट एंड साउंड शो का शुभारंभ किया है। यह आकर्षक प्रस्तुति दर्शकों के समक्ष लखनऊ की समृद्ध धरोहर, पारंपरिक खानपान, स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका और वीर क्रांतिकारियों के अदम्य साहस की गाथाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से दर्शक न केवल रेजीडेंसी के इतिहास से परिचित होंगे, बल्कि वे उस युग के संघर्ष और बलिदान को भी महसूस कर सकेंगे, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। यह शो प्रतिदिन शाम 6 बजे से आयोजित किया जा रहा है। प्रारंभिक दिनों में पर्यटक इस मनोरम प्रस्तुति का निःशुल्क आनंद उठा सकेंगे, जबकि बाद में इसके लिए आंशिक शुल्क निर्धारित किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक पर्यटक इसका अनुभव कर सकें।मंत्री ने बताया कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य इस शो के माध्यम से हर आयु वर्ग के लोगों, विशेषकर युवाओं और बच्चों, को इतिहास से जोड़ना है। यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजक है, बल्कि ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक भी है। रेजीडेंसी की ऐतिहासिक इमारतें आज भी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की साक्षी हैं। इन दीवारों पर आज भी मौजूद गोलियों और तोपों के निशान उस युग के बलिदान और शौर्य की अमर गाथा सुनाते हैं।इस पहल के माध्यम से पर्यटन विभाग ने न केवल लखनऊ की ऐतिहासिक रेजीडेंसी को पुनर्जीवित किया है, बल्कि राज्य में सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को नई दिशा भी दी है। यह लाइट एंड साउंड शो विभाग की उस दूरदर्शी सोच का प्रतीक है जिसमें इतिहास के संरक्षण और पर्यटन संवर्धन को समान रूप से जोड़ा गया है। आधुनिक तकनीक के प्रयोग से यह शो दर्शकों को अतीत की स्मृतियों में ले जाकर देशभक्ति, गौरव और सांस्कृतिक चेतना का भाव जगाने का कार्य कर रहा है।

शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्काल खत्म की जाए संबद्धता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों व कार्यालयों में अब शिक्षकों व अधिकारियों की संबद्धता नहीं की जाएगी। इनको दस दिन के अंदर मूल तैनाती स्थल पर भेजना होगा। शासन ने इसके लिए सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। बेसिक–माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा है कि संज्ञान में आया है कि बिना उसकी अनुमति के अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को ऐसी जगह संबद्ध किया गया है, जहां उनकी मूल तैनाती नहीं है। यह उचित नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया है कि शासन की अनुमति के बिना संबद्ध शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को तत्काल उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजा जाए। भविष्य में भी बिना शासन की अनुमति के ऐसे किसी को संबद्ध न किया जाए। उन्होंने महानिदेशक स्कूल शिक्षा से 10 दिन में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि शासन के पूर्व में दिए कई बार के आदेश के बाद भी शिक्षक व कर्मचारी जुगाड़ लगाकर विभागीय कार्यालयों में संबद्ध रहते हैं। हाल के दिनों में भी इस तरह के कुछ मामले सामने आए हैं। इसको देखते हुए अब शासन ने कड़े निर्देश जारी किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिवाली बाद लौटने वालों को तत्काल ने दिया धोखा, यात्री मायूस

लखनऊ, (संवाददाता)। दिवाली के बाद दिल्ली–मुंबई लौटने वालों का सिलसिला बुधवार से शुरू हो गया। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते यात्रियों को तत्काल कोटे से आस थी, मगर सुस्त सर्वर ने यात्रियों को मायूस कर दिया। तत्काल की 10,500 सीटों के लिए 58 हजार यात्री वेटिंग में हैं। स्पेशल ट्रेनों से यात्रियों को मामूली राहत ही मिल रही है। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, गोरखधाम, वैशाली, अयोध्या दिल्ली, गोमती आदि रेगुलर ट्रेनों में वेटिंग चल रही है, जबकि तेजस व शताब्दी की चेयरकार से मामूली राहत की उम्मीद है। ऐसे में पैसेंजर बृहस्पतिवार को यात्रा के लिए बुधवार सुबह तत्काल कोटे से कंफर्म टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे, मगर राहत नहीं मिली। यात्री नेहल सिंह ने कहा कि उन्होंने लखनऊ मेल में थर्ड एसी का टिकट बुधवार सुबह बुक कराया, लेकिन पेमेंट से पूर्व ही सुस्त सर्वर की वजह से एप क्रैश हो गया और दोबारा टिकट बुक कराने पर 31 वेटिंग मिली। कमोबेश ऐसे ही लखनऊ से मुंबई जाने वाली पुष्पक, अवध, कुशीनगर आदि ट्रेनों के यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। रेलवे अधिकारियों की दलील है कि लखनऊ से दिल्ली, वाराणसी व हावड़ा रूट के लिए त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हालांकि, इन ट्रेनों में भी सीटें तेजी से भर गई हैं, जिससे यात्रियों के पास वेटिंग में यात्रा करने के सिवाय कोई चारा नहीं बचा है। लखनऊ से दिल्ली व मुंबई रूट के यात्रियों के लिए कंफर्म टिकटों की मारामारी की स्थिति रविवार तक रहेगी। अगले हफ्ते से वेटिंग कम होगी। ऐसे में यात्रियों को शेयरिंग में टैक्सी कर महंगा सफर करना पड़ रहा है। ब्ला कार जैसी शेयरिंग टैक्सियां जहां आम दिनों में 1000 से 1200 रुपये में दिल्ली की यात्रा करवा रही थीं, वहीं अब यह बढ़कर 1800 से 2000 रुपये तक पहुंच गया है।

महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने में सुल्तान जहां ने निभाई अहम भूमिका

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहम खां की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बुधवार को विवि की पहली महिला कुलपति नवाब सुल्तान जहां बेगम को याद किया गया। वक्ताओं ने महिलाओं की शिक्षा के लिए उनके दिए यागदान पर चर्चा की। मौलाना आजाद मेमोरियल अकादमी की ओर से ऐशबाग ईदगाह स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में आयोजित व्याख्यान में मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के प्रो. अजीजुद्दीन ने कहा कि नवाब सुल्तान जहां बेगम ने मुस्लिम महिलाओं उनकी शिक्षा के अधिकार के प्रति जागरूक किया। वर्ष 1914 में करामत मुस्लिम गर्ल्स कॉलेज का निरीक्षण करते हुए 1200 रुपये वार्षिक सहायता देने की घोषणा की। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, सुल्तान जहां बेगम पहली महिला थीं, जो एएमयू की चांसलर बनीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ईटीआरसी के उप निदेशक डॉ. कमर रहमान ने सुल्तान जहां को हुनर व आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के महासचिव डॉ. अब्दुल कुद्दूस हाशमी ने किया। अलीगढ़ मुस्लिम विवि ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद शुऐब ने स्वागत किया।

छठ पर्व की तैयारी तेज - नगर आयुक्त ने की गोमती नदी घाटों की सफाई, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। आगामी छठ पूजा पर्व के दृष्टिगत गोमती नदी के घाटों की स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को नगर निगम के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की और तत्पश्चात स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए। निर्देशों के क्रम में नगर निगम की टीम ने गोमती नदी के प्रमुख घाटों का व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, मुख्य अभियंता नगर निगम लखनऊ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान टीम ने लक्ष्मण पार्क घाट, मनकामेश्वर आरती घाट, झूलेलाल पार्क घाट, रानीपुर रोड

छठ पूजा घाट, स्कूटर इंडिया चौराहा गौरी छठ पूजा स्थल, साजिया घाट (पक्के पुल के पास), बेरल नंबर–2 के निकट घाट, कुड़िया घाट, मेहंदी घाट (पीपे वाला पुल) और लल्लूमल घाट का दौरा किया। अधिकारियों ने इन सभी स्थलों पर सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की स्थिति का विस्तृत आकलन किया।अपर नगर आयुक्त ने बताया कि गोमती नदी की सतत सफाई के लिए एक स्कीमर मशीन और 15 नावें तैनात की गई हैं, जिन पर जीपीएस सिस्टम लगाया गया है ताकि निगरानी वास्तविक समय पर की जा सके। निरीक्षण के दौरान स्कीमर मशीन कार्यरत पाई गई। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक नाव पर संख्या अंकित हो और "नगर निगम लखनऊ" स्पष्ट रूप से लिखा जाए, जिससे यह पहचान में रहे कि ये नावें नगर निगम द्वारा संचालित हैं।निरीक्षण के दौरान गोमती नदी के किनारों पर लगाए गए ग्रीन नेट्स की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने बताया कि इन स्थानों पर स्थायी लोहे की जालियां लगाई जाएंगी ताकि फ्लोटिंग कूड़ा नदी में न जा सके। कुछ स्थानों पर एकत्र फ्लोटिंग कचरे को देखते हुए नियमित बैरियर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पर्याप्त नावें और नाविकों की तैनाती कर निरंतर सफाई अभियान जारी रखने पर बल दिया गया।नगर निगम टीम ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि नदी किनारों और पुलों पर जागरूकता बोर्ड लगाए जाएं, जिससे आमजन सीधे नदी में फूल–माला, पूजन सामग्री या कचरा न डालें। इसके लिए दोनों तटों पर "अर्पण कलश" की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान बताया गया कि नगर निगम टीम ने घाटों पर गंदगी फैलाने और कूड़ा फेंकने के मामलों में अब तक ध्16,800 का चालान किया है। नागरिकों को चेतावनी दी गई है कि गंदगी फैलाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ पूजा पर्व से पहले नदी के पानी की सफाई, घाटों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेटिंग, चेंजिंग रूम, मोबाइल टॉयलेट और पब्लिक एड्रेस सिस्टम जैसी सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करा ली जाएं।

चटोरी गली में आतिशबाजी विवाद पर मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के थाना गौतमपल्ली क्षेत्र स्थित चटोरी गली के पीछे रिवर फ्रंट इलाके में आतिशबाजी के विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। दीपावली पर्व के बाद हुई इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर 112 टीम और थाना गौतमपल्ली की पुलिस पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने लाकर पूछताछ की और झगड़े में शामिल चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात को चटोरी गली के पीछे रिवर फ्रंट पर कुछ युवक आतिशबाजी कर रहे थे। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को शांत कराया और दोनों पक्षों को थाने ले गई। थाना गौतमपल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार युवकों को चिन्हित कर धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में प्रशांत पुत्र अवधेश कुमार मिश्रा, निवासी बी–7, अहिल्या बाई नगर, कल्याणपुर पश्चिम, थाना गुडम्बा, लखनऊ (24 वर्ष), दीपक वर्मा पुत्र आशाराम वर्मा, निवासी 57, सीमांत नगर, कल्याणपुर पश्चिम, थाना गुडम्बा, लखनऊ (28 वर्ष), शुभम सिंह पुत्र यमुना सिंह, निवासी साईं दाता रोड, अर्जुनगंज, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ (25 वर्ष) तथा राहुल यादव पुत्र विनोद यादव, निवासी आर्य नगर कॉलोनी, अर्जुनगंज, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ (27 वर्ष) शामिल हैं।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कृष्णपाल, उपनिरीक्षक दिलीप, महिला उपनिरीक्षक विपिन सिंह और कांस्टेबल सचिन शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच शांति बनाए।

फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर किया डिजिटल हाउस अरेस्ट, 1 करोड़ 18 लाख की साइबर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को सीबीआई और ईडी अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल रूप से बंधक बनाकर उनसे करोड़ों रुपये की ठगी करता था। आरोपी ने हाल ही में एक व्यक्ति से इसी तरीके से 1 करोड़ 18 लाख 55 हजार रुपये की धोखाधड़ी की थी।यह पूरा मामला 22 सितंबर 2025 का है, जब लखनऊ निवासी हीरक भट्टाचार्य को एक व्हाट्सएप कॉल प्राप्त हुआ। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी विजय खन्ना बताया और कहा कि उनके नाम से केनरा बैंक, दिल्ली में एक फर्जी खाता खोला गया है, जिसमें ध्16खाधड़ी का पैसा जमा किया जा रहा है। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति ने स्वयं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी राहुल गुप्ता बताते हुए जांच के नाम पर लगातार व्हाट्सएप कॉल और चौट के माध्यम से हीरक भट्टाचार्य से संपर्क बनाए रखा। इन ठगों ने उन्हें डराकर अलग–अलग बैंक खातों में कुल 1 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा करवा ली।पीड़ित को फर्जी गिरफ्तारी वारंट और न्यायालय के सीजर आदेश भेजे गए तथा यह कहा गया कि जांच गोपनीय है और इस दौरान किसी से भी संपर्क नहीं करना है। लगातार दबाव और धमकियों के चलते पीड़ित ने निर्दिष्ट खातों में रकम ट्रांसफर कर दी। जब बाद में उसे ठगी का अहसास हुआ, तो उसने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 148ध्2025 धारा 318(4)/319(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 66(D) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त (अपराध) के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी जांच और ट्रांजैक्शन ट्रेसिंग के जरिए आरोपी कमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह पहले मिठाई बनाने और सप्लाई करने का काम करता था। कुछ माह पहले उसकी मुलाकात सीतापुर निवासी अनुराग नामक व्यक्ति से हुई थी, जिसने उसे बताया कि अगर वह अपने नाम से बैंक खाता खुलवाकर उससे जुड़ा सिम कार्ड देगा, तो उसे खाते में हुए ट्रांजैक्शन का दो प्रतिशत कमीशन मिलेगा। लालच में आकर कमलेश ने गोमतीनगर, पत्रकारपुरम स्थित इंडसइंड बैंक में खाता खुलवाया और उससे संबंधित सभी दस्तावेज अनुराग को सौंप दिए।अनुराग विदेश में बैठे साइबर ठगों से जुड़ा हुआ था और इन ट्रांजैक्शनों के बदले पांच प्रतिशत कमीशन यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) के रूप में प्राप्त करता था। जांच में यह भी पता चला कि कमलेश के खाते में देशभर से करोड़ों रुपये ठगी के जरिए आए हैं और एनसीसीआरपी पोर्टल पर इस खाते से जुड़ी 22 शिकायतें दर्ज हैं।साइबर अपराधियों के गिरोह का तरीका बेहद संगठित है। वे कोरियर पैकेटों से प्राप्त सिम कार्ड, आधार कार्ड, इंक सिग्नेचर आदि का दुरुपयोग करते हैं। खुद को पुलिस, सीबीआई या ईडी अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं कि उन्होंने किसी गंभीर अपराध में संलिप्तता दिखाई है। इसके बाद उन्हें वीडियो कॉल या स्काइप जैसी माध्यमों पर निगरानी में रखकर "डिजिटल हाउस अरेस्ट" किया जाता है और फर्जी जांच के नाम पर रकम वसूली जाती है। कई मामलों में वे फर्जी पुलिस स्टेशन या कोर्टरूम जैसी पृष्ठभूमि दिखाकर पीड़ितों को डराते हैं और उनसे बड़ी रकम ठग लेते हैं।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन (रीयलमी) बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमलेश कुमार पुत्र शिवबालक, निवासी ग्राम सैफलपुर ढेढैमाऊ, थाना काकोरी, मलिहाबाद, लखनऊ के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 39 वर्ष है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव, उपनिरीक्षक प्रशांत रघुवंशी, मुख्य आरक्षी विवेक कुमार यादव, आरक्षी संजय कुमार गुप्ता और आरक्षी वैभव नैन शामिल रहे।

"हर जनपद में यूनिटी मॉल उत्तर प्रदेश के कारीगरों और उत्पादों को मिलेगा एक प्रोत्साहन मंच" – श्री राकेश सचान

अयोध्या।उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग और फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय व्यापार प्रदर्शनी (न्च्त्ै) का शुभारंभ आज महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय, अयोध्या में हुआ। यह तीन दिवसीय आयोजन अयोध्या एवं देवीपाटन मंडल की समृद्ध औद्योगिक और हस्तशिल्प परंपराओं को राष्ट्रीय मंच देने की दिशा में एक सशक्त पहल है। उद्घाटन सत्र में क्षेत्र के उद्यमियों, शिल्पकारों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, वस्त्र मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान थे। इस अवसर पर श्री भानु प्रताप सिंह, कुलपति, महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय श्री रामकृष्णन, सीनियर मेंबर, फिक्की एवं ईएसजी हेड, इंडिया पेस्टीसाइड्स लिमिटेड श्री के. विजयेंद्र पांडियन, कमिश्नर एवं डायरेक्टर इंडस्ट्रीज, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री रामचंद्र यादव, विधायक, रुदौली, श्री गिरीशपति त्रिपाठी, महापौर, अयोध्या व श्री अनुज तिवारी, कंपनी सेक्रेटरी एवं इंसॉल्वेंसी प्रोफेशनल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, वस्त्र मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान ने कहा, "स्थानीय कारीगरों और ओडीओपी को हम उत्तर प्रदेश के हर जनपद में एक यूनिटी मॉल बनाकर एक नई दिशा देने जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य यही है कि ओडीओपी से जुड़े कारीगरों, हमारे ग्रामीणों और श्रमिकों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद एक ही मंचकृएक ही मॉल में प्रदर्शित भी हों और बेचे भी जा सकें। इसी सोच को साकार करने के लिए हमने यूनिटी मॉल की शुरुआत की हैकृएक लखनऊ में संचालित है, दूसरा आगरा में, और तीसरा बनारस

में तेजी से तैयार हो रहा है। इस वित्तीय वर्ष में हम अयोध्या में एक, मथुरा में एक और कानपुर में तीन यूनिटी मॉल स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को आत्मनिर्भर बनकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में ले जाने का जो संकल्प लिया है, उसी लक्ष्य के तहत हमारी यूपी की डबल इंजन की सरकार माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में लगातार काम कर रही है। पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश के उत्पादों और इंफ्रास्ट्रक्चर का जो विकास हुआ है उसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे शहरों में आज निवेश के लिए उपयुक्त वातावरण बना है।" उन्होंने बताया, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ट्रेनिंग के दौरान चार सौ रुपए का भत्ता और ₹15,000 मूल्य के औजार और टूलकिट उपलब्ध कराया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 95 हजार से अधिक नौजवानों को ट्रेनिंग और लोन उपलब्ध करते पीएम युवा योजना से जोड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर उत्पन्न कर के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'रोजगार मांगने वाला नहीं, हमें रोजगार देने वाला बनना है' के विजन को साकार करना है। के विजयेंद्र पांडियन, कमिश्नर एंड डायरेक्टर इंडस्ट्रीज, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा, "यह कार्यक्रम इंटरनेशनल ट्रेड शो रूप में शुरू हुआ जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के करकमलों द्वारा किया गया। और मुख्यमंत्री जी का निर्देश है कि ऐसे आयोजन सिर्फ नोएडा दिल्ली तक सीमित न रहें और अब इस तरह के कार्यक्रम सभी जिलों में आयोजित किए जाएं और 'वोकल फॉर लोकल' के सिद्धांत के आधार पर स्थानीय उत्पादों खासतौर से जो वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के उत्पाद हैं, पीएम विश्वकर्मा से जुड़े जो कारीगर हैं, उनके लिए एक बाजार विकसित किया जाए। अब प्रधानमंत्री जी की पहल पर जीएसटी में भी छूट मिली है, जिसका बाजार में फायदा देखने को मिल रहा है। इसकी जानकारी जनता और छोटे व्यापारियों तक पहुंचाने का निर्देश मिला है। इसी क्रम में हर जिले में 10 दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसका समापन मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से होगा, उसी क्रम में हम आज इस तीन दिवसीय अयोध्या और देवीपाटन मंडल में 17 से 19 अक्टूबर तक महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय परिसर में उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय व्यापार प्रदर्शनी।

संक्षिप्त खबरें

होम स्टे मालिक पर दबंगो ने जानलेवा हमला,तीन नामजद गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर के साहबगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में मामूली विवाद में होम स्टे मलिक अतुल तिवारी व शिवम तिवारी के साथ दबंगों ने मारपीट की।आरोप था कि विवाद करने वाले दबंग होम स्टे मालिक और उनके भाई की लाइसेंसी पिस्टल छीन ले गए।जिसके चलते आसपास क्षेत्र मे हडकंप मचा रहा।घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे पुलिस कर्मियों के साथ सक्रियता दिखाते हुए पुलिस ने छापेमारी कर इस घटना मे शामिल 3 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर दोनों लाइसेंसी पिस्टल बरामद कर लिया है। वही इस घटना मे घायलों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया है।इस संबंध मे एसपी सिटी चक्रपाणि तिवारी ने बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में मारपीट कर 02 लाइसेंसी पिस्टल छीनने की घटना सामने आई है।इस मामले कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नामजद आरोपियों मे शामिल हरेंद्र यादव, शोभित यादव और तालिब को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि कुछ आरोपी नाम जज तथा 8 से 10 आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।जिनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाकर उनको जल्द पकड़ने का काम जारी है।

फ्लिपकार्ट सेंटर में आगलाखों का सामान जला, शॉर्ट सर्किट से घटना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली अंतर्गत नगर में खुटहन रोड स्थित फ्लिपकार्ट सेंटर (वेयर हाउस) में गुरुवार रात भीषण आग लग गई। इस घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई और देखते ही देखते लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग की सूचना मिलते ही खेतासराय और बदलापुर शाखाओं से फायर ब्रिगेड की कुल चार गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं। पुलिस टीम और स्थानीय लोगों की मदद से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, आग से लगभग 8 लाख रुपये के पार्सल पैकेट का नुकसान हुआ है। एहतियात के तौर पर, फ्लिपकार्ट सेंटर की ऊपरी मंजिल पर चल रहे एक क्लिनिक और पास स्थित अस्पताल को तुरंत खाली कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से किसी बड़ी जनहानि को टाला जा सका। मौके पर क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी और फायर सर्विस तथा पुलिस टीम ने मिलकर इस पर काबू पाया। उन्होंने पुष्टि की कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। देर रात तक घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी रही, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा।

मुरादाबाद में मदरसे में छात्रा के परिजनों से 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' मांगना पूरी तरह से गलत – प्रमिला पांडेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने अपनी जन्मभूमि जौनपुर पहुंचीं। डाक बंगले में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मुरादाबाद के मदरसे में श्वर्जिनिटी सर्टिफिकेटश मांगने के मामले और कानपुर के मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखी।

मेयर पांडेय ने जौनपुर के विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब से उनकी सरकार बनी है, तब से जौनपुर ने विकास के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। उन्होंने जौनपुर को श्प्रेम की नगरीश बताते हुए यहां की इमरती, मूली और शाही पुल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जौनपुर विकास की ओर अग्रसर है। मुरादाबाद में मदरसे में छात्रा के परिजनों से श्वर्जिनिटी सर्टिफिकेटश मांगने के मामले पर मेयर प्रमिला पांडेय ने इसे पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातों का देश और प्रदेश के लोगों को विरोध करना चाहिए। उन्होंने कानपुर में सनातन धर्म के लिए अपने संघर्ष का जिक्र किया। मेयर ने दावा किया कि उन्होंने कानपुर में 125 ऐसे मंदिर खोजे हैं, जहां बिरयानी और मांस काटा जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इन स्थानों पर देवताओं के अंग काट दिए गए थे और 200 किलो मांस रखा गया था।

डीएम व एसएसपी ने अधिकारियो संग किया परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने गुरुवार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर के साथ परिक्रमा मार्ग,सहादतगंज हनुमानगढ़ी, गुप्तार घाट, उदया चौराहा, राजघाट, झुनकी घाट, नया घाट, हल्कारा का पुरवा, चूड़ामणि चौराहा, सूर्यकुंड, जनौरा ओवर ब्रिज, नाका हनुमानगढ़ी, मोदहा ओवर ब्रिज आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, सड़क की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालयों की दशा तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया।जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जहां सड़क टूट–फूट की स्थिति में है, उसे तुरंत ठीक कराया जाए। मार्ग के दोनों ओर पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन ने लगाए जाएं और स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिक्रमा मार्ग के समस्त क्षेत्रों में कार्यशील स्ट्रीट लाइटें सुनिश्चित की जाएं। पेयजल व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में वाटर प्वाइंट बनाए जाएं।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परिक्रमा मार्ग का सौंदर्यीकरण और सुगमता सर्वोच्च प्राथमिकता पर है।

संक्षिप्त खबरें

'संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ की मंथन बैठक संपन्न'

दिनांक 23.10.2025 को लखनऊ जानकीपुरम में संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई जिसमें खुदरा व्यापारियों की बढ़ती हुई समस्याओं के साथ–साथ कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई बैठक में सर्वसम्मत से लखनऊ जिला इकाई भंग कर दी गई जिसमें लखनऊ जिले की सभी मार्केट की इकाइयां अपनी जगह पूर्ववत काम करती रहेगी केवल लखनऊ जिला अध्यक्ष की पूरी नई कार्यकारिणी का गठन होगा जिसमें 101 नए पदाधिकारी लखनऊ जिले में बनाए जाएंगे इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे संरक्षक सूर्य नारायण तिवारी राष्ट्रीय सचिव प्रमोद मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष अरविंद नाथ मिश्रा प्रदेश महासचिव मनोज सिंह अशोक विश्वकर्मा संरक्षक अनिल ओझा प्रदेश उपाध्यक्ष निर्मल यादव प्रदेश सलाहकार राम तिवारी प्रदेश महासचिव रवी मोहन श्रीवास्तव संरक्षक सरोज सिंह ठाकुर इत्यादि पदाधिकारी व्यापारीगण उपस्थित रहे इसी बैठक में सर्वसम्मत से सुरेंद्र कुमार सिंह को प्रदेश का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया सामूहिक रूप से निर्णय हुआ है कि संगठन के कई नीतियों में बदलाव किया जाएगा मार्केट की समस्याओं को लेकर संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से मुलाकात करेगा।

भाइयों को तिलक लगा की लंबी उम्र की कामना

बांदा, (संवाददाता)। भाई–बहन के अटूट प्रेम का पर्व भैया दूज शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने वृत रखकर विधि विधान से यम–द्वितीय का पूजन किया। इसके बाद भाइयों का रोली चावल से तिलक कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों के रक्षा का संकल्प लिया और उपहार आदि दिए। कायस्थ सभा चित्रगुप्त परिवार कटरा ने भैया दूज पर भगवान चित्रगुप्त महाराज का हवन पूजन किया। यम–द्वितीय की जानकारी दी। इसके बाद महेश्वरी देवी मंदिर में स्थित चित्रगुप्त महाराज के मंदिर में पूजन किया। इस मौके पर संतोष कुमार, इंद्र कुमार, सुरेंद्र निगम, हृदेश निगम, राम प्रकाश खरे, मनोज निगम लाला, संतोष कुमार सक्सेना आदि मौजूद रहे। उधर, मंडल कारागार में दूसरे दिन भी करीब 150 महिलाओं ने जेल में निरूद्ध भाइयों को तिलक किया। इस मौके पर भाई–बहन की आंखें नम हो गईं। जेल प्रशासन ने बहनों को भाइयों से मुलाकात के लिए 45 मिनट का समय दिया था। जबकि आम दिनों में मुलाकात का समय 25 मिनट होता है। अतर्रा संवाद सहयोगी के अनुसार बहनों में भैयादूज को लेकर खास उत्साह देखेने को मिला।

अगर अब भी बचा लिए गए तो फिर बढ़ेगा आतंक

बांदा, (संवाददाता)। मटौंध थाना क्षेत्र के त्रिवेणी गांव में बुधवार दोपहर हुए दिवारी नृत्य कांड के बाद पूरा इलाका सन्नाटे में है। हिस्ट्रीशीटर मुन्ना यादव की हत्या के बाद अब गांव के लोग दूसरे हिस्ट्रीशीटर मनीष चतुर्वेदी व मोहित चतुर्वेदी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एक अपराधी का अंत तो दूसरे के हाथों हुआ, अब कानून को दूसरे हिस्ट्रीशीटर का अंत तय करना चाहिए। बृहस्पतिवार को जब पोस्टमार्टम के बाद मुन्ना यादव का शव गांव पहुंचा तो भीड़ उमड़ पड़ी। गांव की गलियों में रोष और खामोशी दोनों का मिला–जुला माहौल रहा। लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने के साथ यह चर्चा करते रहे ।

एंटी रोमियो टीम द्वारा सराहनीय कार्य पर पीड़िता ने की भूरि भूरि प्रशंसा

अयोध्या। कोतवाली नगर मे तैनात एंटी रोमियो की टीम की सराहनीय भूमिका के चलते पीडिता को बच्चा सुपुर्द कराकर सराहनीय कार्य किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया कि 22 अक्टूबर को थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या में शिवानी गुप्ता पत्नी शानू गुप्ता निवासी हैदरगंज थाना कोतवाली नगर ने थाने पर तहरीर दिया था।तहरीर के माध्यम से उसने बताया कि उसका विवाह शानू से पिछले वर्ष 7 दिसंबर को हुआ था। बताया कि उसके 02 माह का एक बेटा भी है।शादी के कुछ माह बाद से ही घर मे मामूली बातो को लेकर ससुराल वालो से कहा सुनी होने लगी।सास व ननद दहेज न लाने के ताने दिया करती थी।बताया कि दिनांक 21 अक्टूबर को शानू की बहन घर आयी और मेरे बच्चे को लेकर चली गयी।इस संबंध में एण्टी रोमियो टीम मे शामिल उ0नि0 अनिल दीक्षित, उ0नि0 सुरुचि कनौजिया व उनकी टीम ने शिवानी गुप्ता व उनके ससुराल वालो को थाना पर बुलाकर समझाया बुझाकर बच्चा शिवानी पत्नी शानू गुप्ता निवासी हैदरगंज थाना कोतवाली अयोध्या पुलिस की त्वरित कार्यवाही से संतुष्ट होकर थाना कोतवाली नगर पुलिस की भूरि–भूरि प्रशंसा किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत जिला पुरुष व महिला चिकित्सालय मे महिला पुलिस कर्मियों ने चलाया जागरुकता अभियान

अयोध्या।मिशन शक्ति फेस 5 के तहत शुक्रवार को जिला पुरुष चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय में जागरूकता अभियान चलाया गया।यह अभियान मिशन शक्ति फेस 5 के नोडल अधिकारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर तथा सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम में शामिल पुलिस कर्मियों ने चलाया। यह अभियान इन दोनों चिकित्सालयों के अलावा शहर के चन्दन डायग्नोस्टिक सेन्टर के अलावा अन्य प्रमुख पैथोलॉजी सेंटरों पर भी चलाया गया। इस मौके पर वहां पर आई मरीज तथा उनके परिजनों को पोस्ट आज के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इस महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में महिला पुलिसकर्मियों ने बताया।शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके पर उनके अलावा महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर, महिला आरक्षी रितु,लक्ष्मी प्रजापति सहित अन्य महिला कर्मी मौजूद रहे।

हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुई भगवान चित्रगुप्त की जयंती

अयोध्या। विगत वर्षो की भाति इस वर्ष भी भगवान चित्रगुप्त भगवान् जयंती चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज में हर्षोल्लास मनाया गया।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डॉ.अंजलि श्रीवास्तव रही।कलम दवात पूजन एवं श्री चित्रगुप्त भगवान का अभिषेक किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ अंजलि ने चित्रगुप्त के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण पर कर किया।समारोह में कमल किशोर भटनागर का सन्देश पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर कई चित्रांश परिवार शामिल हुए।जिनमे प्रमुख रुप से एवं ट्रस्टी कैलाश लाल श्रीवास्तव,रमेश चंद्र श्रीवास्तव,अनिल कुमार श्रीवास्तव,सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव,विकास सिन्हा,अभिषेक श्रीवास्तव अधिवक्ता अशोक कुमार,ओम प्रकाश श्रीवास्तव,सुरेश चंद्र श्रीवास्तव,शैलेश कुमार श्रीवास्तव,विजय कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार श्रीवास्तव,अंशुमाली, सचिन शंकर,अमित शंकर,हरीश चंद्र श्रीवास्तव,मनीष सक्सेना, डॉ पंकज श्रीवास्तव,डॉ.गौरव श्रीवास्तव,ललित मोहन श्रीवास्तव,सत्य प्रकाश श्रीवास्तव सतीश कुमार श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव विश्वास श्रीवास्तव नरसिंघ नाथ,दिनेश चंद,सुनील,वेद प्रकाश,गौरव,नीरज श्रीवास्तव,जे पी श्रीवास्तव जगदीश यादव एवं नारी शक्ति सरूपा,रेखा,श्रीमती शशि,नंदनी, शशि बाला,कुसुम,अनीता,रेनू ,सोनी,संगीता , राजकुमारी आदि मौजूद रही।शाम को दीपदान का आयोजन किया गया।

सर्व समाज का नारा है भगवान चित्रगुप्त जी हमारे हैं के नारे से गूंज उठा जौनपुर शहर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी मन्दिर बारीनाथ मठ में दर्शन पूजन करने के बाद उपस्थित हजारों भक्तों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी जौनपुर डॉ दिनेश चन्द सिंह आई ए एस ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी सभी धर्म समुदाय के भगवान हैं पौराणिक मान्यता के अनुसार उनका जन्म भगवान ब्रह्म की काया से उत्पन हुआ था भगवान चित्रगुप्त जी समस्त प्राणियों के कर्मों का लेखा जोखा रखते हैं और जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने कहा कि कलम की पूजा करने वाले एक ऊंचाई हासिल करते है और समाज में अच्छे पद पर स्थापित होते है आज यहां भगवान चित्रगुप्त जी पूजन शोभायात्रा में सर्व समाज

समुदाय के लोग शामिल हो रहे है ये जौनपुर जिले के लिए एक अच्छी शुरुवात है मेरी शुभकामनाएं सभी को है। अपर जिलाधिकारी जौनपुर अजय अंबष्ट पीसीएस ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी को किसी एक के नहीं सभी के हैं सभी को उनकी पूजा अर्चना करनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव आईपीएस ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी को ज्ञान शिक्षा बुद्धि और कला का अधिष्ठाता देवता भी माना गया हैं। श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति के संयोजक सरस चन्द श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि कायस्थ समाज जागरूक समाज हैं जो आज भगवान चित्रगुप्त पूजन शोभायात्रा में सर्व समाज को जोडकर एक अच्छी शुरुवात की हैं भगवान चित्रगुप्त जी को किसी जाती विशेष में बांधना उचित नहीं है। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति के अध्यक्ष मनोज अग्रहरी जी ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी के कलम दवात की पूजा अर्चना वैश्व समाज के साथ सर्व समाज करता हैं और करता रहेगा भगवान चित्रगुप्त पूजन शोभायात्रा अब हर साल वृहद रूप में मनाया जाएगा। कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी की आशीर्वाद से बड़ा से बड़ा कार्य हो जाता हैं। कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द श्रीवास्तव दीनू ने कहा कि कायस्थ समाज जौनपुर सभी सर्व समाज समुदाय का आभारी हैं जिन्होंने पूजन शोभायात्रा में साथ दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।